PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Jagran, Delhi
Friday 23rd January 2015, Page: 23
Width: 14.10 cms, Height: 12.40 cms, a4, Ref: pmin.2015-01-23.32.107

पेड़ों पर भी छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति

- सूरजकुंड अंतराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में छत्तीसगढ़ को बनाया थीम स्टेट
- कौड़ियों से बनी झालर से सजाए जा रहे हैं पेड़

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले के चौपाल परिसर में छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति देखने को मिलेगी। छत्तीसगढ़ में पेड़ों को भी पूजा जाता है। मेला परिसर के पेड़ों को कौड़ियों से बनी झालर व आदिवासी परंपराओं से जुड़ी अन्य वस्तुओं से सजाया जा रहा है।

हर साल 1 से 15 फरवरी तक लगने वाले मेले में इस बार छत्तीसगढ़ को थीम स्टेट बनाया गया है। छत्तीसगढ़ से आए कारीगर मेले को छत्तीसगढ़ के रंग में रंग रहे हैं। इसके लिए छत्तीसगढ़ से कला विशेषज्ञ भी यहां आए हुए हैं।

पेड़ों की पूजा करते हैं आदिवासी

कला विशेषज्ञ सलाहाकार शैलेंद्र ठाकुर ने बताया कि आदिवासी पेड़ों की पूजा करते हैं। इसके लिए वे अपने त्योहारों पर उसे भी सजाते हैं। यही कारण है कि मेले में स्थित चौपाल के आसपास के पेड़ों को सजाया जा रहा है। सजावट के लिए कौड़ियों, बांस, तुंबा, जूट आदि से बने सामानों का प्रयोग किया जा रहा है। मेला शुरू होने में नौ दिन शेष है, ऐसे में मेला प्राधिकरण का प्रयास है कि 30 जनवरी से पहले सजावट कार्य पूरे कर लिए जाएं।

तुरही से होगा मेहमानों का स्वागत

मेले के दौरान छत्तीसगढ़ से आए कलाकार तुरही बजाकर अतिथियों व आगंतुकों का स्वागत करेंगे। इसके लिए वीआइपी गेट पर छत्तीसगढ़ से आए कलाकारों की एक टोली तैनात की जाएगी। वे पारंपरिक वेशभूषा में दिखाई देंगे।

नक्शा देख घूम सकेंगे लोग

सूरजकुंड मेले में आने वाले दर्शकों को पर्यटन निगम मेला परिसर का नक्शा उपलब्ध करवाएगा। नक्शे से दर्शक जान सकेंगे कि मेले में कौन सा जोन कहां है और वहां क्या-क्या उपलब्ध है। इससे उन्हें आसानी होगी।

अग्निशमन उपाय बढ़ाए

कुछ समय पहले मेला परिसर में हुई आग लगने की घटना के बाद इस बार जिला प्रशासन व पर्यटन निगम गंभीर है। आग से सुरक्षा संबंधी उपायों को दोगुने से भी अधिक किए जाने का दावा किया जा रहा है। फूड कोर्ट में हर स्टाल पर आग बुझाने वाले सिलेंडर रखे जाएंगे तथा फायर ब्रिगेड की छह छोटी गाड़ियां मेला परिसर में तैनात रहेंगी, जिससे आपातकालीन स्थिति में हादसे से निपटा जा सकेगा।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Economic Times , Delhi
Friday 23rd January 2015, Page: 14
Width: 9.25 cms, Height: 7.87 cms, a4, Ref: pmin.2015-01-23.41.83

Gifts Galore Await US Couple

New Delhi It's likely that Banarasi silk sari, designer handloom garments and other Indian dresses will find their way into the Obamas' wardrobe after their second India visit this weekend. While the textiles ministry plans to gift special designer handloom clothing to the US first couple, Prime Minister Narendra Modi is said to be keen to gift Banarasi saris to Michelle Obama. "We have not got the clearances (from the US Embassy) yet but we are hopeful that we will be able to present Obama with a uniquely crafted handloom item," said S K Panda, the union textiles secretary, who met representatives of the Fashion Design Council of India and Cottage Industries Corporation Of India a few days ago to discuss options. Finally, the ministry wanted to create three designer dresses each for Barack and Michelle Obama. Sunil Sethi, president at FDCI, said the council has not been able to proceed with the project. VIJAYA RATHORE

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Bhaskar, Faridabad
Friday 23rd January 2015, Page: 4
Width: 6.48 cms, Height: 17.48 cms, a4, Ref: pmin.2015-01-23.49.16

सूरजकुंड मेले में कहां क्या है, बताएगा नक्शा

नक्शे से दर्शक आसानी से जान सकेंगे कि मेले में कौन सा जोन कहां है और वहां क्या उपलब्ध है

योगेश अग्रवाल | बल्लभगढ़

सूरजकुंड मेले को देखना अब पर्यटकों के लिए काफी आसान होगा। इस बार सूरजकुंड मेले में आने वाले दर्शकों को पर्यटन निगम मेला परिसर का नक्शा उपलब्ध कराएगा। नक्शे से दर्शक आसानी से जान सकेंगे कि मेले में कौन सा जोन कहां है और वहां क्या-क्या उपलब्ध है। इससे पहली बार मेले में आने वाले दर्शकों को मेला घूमने में काफी आसानी होगी।

छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति दिखेगी : इस बार सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले के चौपाल परिसर में दर्शकों को छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति देखने को मिलेगी। मेला परिसर के पेड़ों को कौडियों से बनी झालर व आदिवासी परंपराओं से जुड़ी अन्य वस्तुओं से सजाया जा रहा है। इस बार छत्तीसगढ़ को थीम स्टेट बनाया गया है। छत्तीसगढ़ से आए कारीगर मेले को छत्तीसगढ़ के रंग में रंग रहे हैं। इसके लिए छत्तीसगढ़ से कला विशेषज्ञ भी यहां आए हुए हैं। कला विशेषज्ञ सलाहकार शैलेंद्र ठाकुर के अनुसार आदिवासी पेड़ों की पूजा करते हैं। इसके लिए वे अपने त्योहारों पर उसे सजाते भी हैं। यही कारण है कि मेले में स्थित चौपाल के आसपास के पेड़ों को सजाया जा रहा है। सजावट के लिए कौडियों, बांस, तुंबा व जूट आदि से बने सामानों का प्रयोग किया जा रहा है।

सरोवर खुलेगा देर रात तक : सूरजकुंड हस्तशिल्प मेले के दौरान ऐतिहासिक सूरजकुंड (सरोवर) भी रात 8.30 बजे तक दर्शकों के लिए खुला रहेगा। इसके लिए पुरातत्व विभाग ने मंजूरी दे दी है। साथ ही पर्यटन विभाग मेले के लिए कुंड को संवार भी रहा है। हर साल 1 से 15 फरवरी तक लगने वाले अंतरराष्ट्रीय मेले के दौरान पर्यटन निगम की ओर से कुंड की पूरी तरह से अनदेखी की जाती थी। कुंड के सामने ही मेला परिसर में रौनक लगी रहती है। मगर जिस कुंड के नाम पर मेले का आयोजन होता है, वह बेरौनक रहता है।